

रोज़ाना क्रि.वि. (फा.) हर दिन, प्रतिदिन।

रोजी स्त्री. (फा.) जीविका, जीवन-वृत्ति, जीवन यापन पुं. जीवन-निर्वाह का साधन, जीविका का साधन मुहा. रोजी चलना, जीविका चलाना।

रोजीना क्रि.वि. (फा.) प्रत्येक दिन का, एक दिन का, दैनिक (प्रतिदिन के आय अथवा व्यय आदि के लिए प्रयोग में 'रोजीना' शब्द आता है)।

रोट पुं. (तद्.) एक प्रकार की मीठी और मोटी रोटी जो प्रायः देवता को नैवेद्य के रूप में चढ़ाते हैं, ऐसा देखा गया है कि लोग अधिकतर हनुमान जी को मीठा रोट चढ़ाते हैं।

रोटरी-मशीन स्त्री. (अं.) मुद्रण. छपाई की बड़ी मशीन, जिसमें बेलनों पर लगी अर्ध गोलाकार प्लेट से छपाई होती है और इसमें रील में लिपटे कागज का प्रयोग होता है।

रोटी स्त्री. (तद्.) गुँथे हुए आटे की गोली को बेलने से बेलकर तवे पर सेंककर बनाई गई खाद्यवस्तु (कभी-कभी आटे की गोली को हथेली पर भी रोटी की तरह फैलाकर सेंकते हैं 2. रोटी, चपाती 3. आग पर रोटी को फुलाने के कारण उसे फुलका भी कहते हैं **लाक्ष.** रोटी-कपड़ा- जीवन यापन की सामग्री के लिए प्रयोग करते हैं, "रोटी-दाल" यह शब्द भी जीवन यापन की सामग्री के लिए प्रयोग किया जाता है **मुहा.** रोटी कमाना- जीवन निर्वाह के लिए साधन अपनाना; रोटी के लाले पड़ना- अधिक दरिद्र होना; रोटी तोड़ना- बैठे-बैठे किसी का दिया खाना, बिना काम के किसी के आश्रित रहना।

रोड स्त्री. (अं.) रास्ता, मार्ग, पगडंडी।

रोडवेज पुं. (अं.) भूतल पर चलने वाले यानों, परिवहनों की व्यवस्था करने वाला विभाग, परिवहन विभाग।

रोड़ा पुं. (तद्.) पत्थर का टुकड़ा, कंकड़, ईंट का कठोर टुकड़ा **मुहा.** रोड़ा अटकाना- कार्य में विघ्न डालना।

रोता वि. (तद्.) रोने वाला, जो रो रहा हो, रोने में तत्पर **लाक्ष.** उदास मन से।

रोदन पुं. (तत्.) 1. रोना, विलाप करना, दुखी होना 2. आँसू या आँसू बहाना।

रोदसी स्त्री. (तत्.) स्वर्ग और धरती, घावापृथिवी।

रोदा पुं. (तद्.) धनुष के दोनों कोनों से बंधी हुई वह डोरी जिसके पश्च भाग में बाण लगा कर चलाया जाता है 1. प्रत्यंचा, धनुष्या, शिंजनी 2. सितार के तारों को बाँधने की पतली ताँत।

रोध पुं. (तत्.) 1. बाधा, रोक, अवरोध 2. रोकना, रुकावट डालना 3. नाकेबंदी करना, घेरा डालना **भू.वि.** नदी के नजदीक उसकी लहरों से बना एक नीचे तक का कटाव।

रोधक्षम वि. (तत्.) 1. जो अवरोध पैदा करने में सक्षम हो, प्रतिरक्षित 2. किसी रोग को शमन करने में समर्थ, रोग प्रतिरक्षण, असंक्राम्य।

रोधन पुं. (तत्.) 1. रोकना, पृथक्करण 2. **ज्यो.** बुध ग्रह **वि.** रोकने वाला 3. **भौ.** वह प्रक्रम या सामग्री जो विद्युत ऊष्मा, शीत-प्रभाव और ध्वनि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक के चालन को कम करती अथवा रोकती है (विद्युत रोधन के लिए रबर, पीवीसी अथवा पॉर्सिलिन जैसे अचालकों का और ऊष्मीय, शीत प्रभाव आदि के रोधन के लिए फाइबर ग्लास आदि का प्रयोग होता है)।

रोधना स.क्रि. (तद्.) रोकना टि. यह रूप केवल पद्य में प्रयुक्त होता है।

रोधिका स्त्री. (तत्.) 1. घेरा, बाधा, अवरोध 2. रोध, परिध, रोक **भू.वि.** नदी के तट के समीप तरंगों के घात-प्रतिघात से बना नीचे तक का कटाव।

रोना अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी समाचार को सुनकर अथवा हृदय विदारक दृश्य आदि को देखकर आँसू बहाना, रोदन करना, विलाप करना, शोक करना **मुहा.** रो रोक- बहुत कठिनता से प्रयो. रो रोक सिसक-सिसक कर 2. अत्यधिक दुखी अथवा खिन्न होना 3. अपने कष्टों का बखान करना पुं. 1. दुख, खेद 2. कष्ट, विपत्ति 3.